भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. †3

सोमवार, 22 जुलाई, 2024/31 आषाढ़, 1946 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

ऐतिहासिक महत्व के पर्यटन स्थल

†3. श्री प्रदीप पुरोहित:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने ओडिशा राज्य में ऐतिहासिक महत्व के पर्यटन स्थलों के विकास के लिए कोई कदम उठाए हैं; और

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) और (ख): पर्यटन मंत्रालय 'स्वदेश दर्शन (एसडी)' और 'तीर्थस्थल जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद) नामक अपनी केन्द्रीय क्षेत्र की योजनाओं के माध्यम से राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को वित्तीय सहायता प्रदान कर पर्यटन अवसंरचना विकास के प्रयासों को सम्पूरित करता है। स्वदेश दर्शन और प्रशाद योजनाओं के तहत ओडिशा में स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण निम्नानुसार है:-

योजना	**परियोजना**	**स्वीकृत राशि**
एसडी 1.0	गोपालपुर, बरकुल, सतपारा और तमपारा का विकास	70.82 करोड़ रु.
प्रशाद	पुरी में अवसंरचना का विकास	50.00 करोड़ रु.

पर्यटन मंत्रालय ने स्थायी और जिम्मेदार पर्यटन गंतव्यों के विकास के उद्देश्य से अपनी स्वदेश दर्शन योजना को अब स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0) का नया रूप दिया है और ओडिशा में 'खिंदा गाँव' के विशेष आकर्षण के साथ 'कोरापुट' तथा 'डिब्रिगढ़' सहित देश में विकास के लिए 57 गंतव्यों को अधिसूचित किया है। इसके अलावा, इस मंत्रालय ने प्रशाद योजना के तहत विकास के लिए ओडिशा में 'चौसठ योगिनी मंदिर' और 'माँ किचकेश्वरी मंदिर' को भी चिह्नित किया है।

****